तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 23 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 25 मई 2025

12 100 मीटर दौड़ में परमिता प्रथम, सिमरन रही द्वितीय

12 सेना के वीरों के सम्मान में ली शपथ, निकाली पदयात्रा

खबर संक्षेप

सूने घर से लाखों की कीमत के गहने चोरी

यमुनानगर। गांव शेरपुर में चोरों ने सूने घर में घुसकर करीब नौ लाख 40 हजार रुपये के सोने व चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घटना के समय परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए थे। वापस लौटने पर चोरी की वारदात का पता चला। पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जरूरी सबूत जुटाए। बाद में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव शेरपुर निवासी मोनिका ने छछरौली थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पांच मई को घर का ताला लगाकर किसी काम से बाहर गई थी। देर शाम जब वह घर लौटे तो घर में सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर घर से करीब 12 तोले सोने के जेवर तथा चांदी के आभूषण गायब मिले। चोरी हुए आभूषणों की कीमत करीब नौ लाख 40 हजार रुपये है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से जरूरी सबूत जुटाए। बाद में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कैबिनेट मंत्री ने पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह का लोगों को दिया निमंत्रण

महान योद्धा थे पृथ्वीराज चौहान, मोहम्मद गौरी को कई बार दी शिकस्त : श्याम राणा

सीएम नायब सैनी होंगे जयंती समारोह में मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पृथ्वी राज चौहान महान योद्धा थे। शब्दभेदी बाण चलाने में वे निपुण थे। पृथ्वी राज चौहान व वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं।

- 29 मई को गांव सालवान में राज्य स्तरीय तौर पर मनाया जाएगा जयंती समारोह

29 मई को गांव सालवान में महाराणा प्रताप जयंती राज्य स्तरीय तौर पर मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। राणा शनिवार को राजपूत छात्रावास में आयोजित जिला स्तरीय पृथ्वीराज चौहान जंयती कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे थे।

इस मौके पर उन्होंने सालवान में 29 मई को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम का निमंत्रण देते हुए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। उन्होंने इस मौके पर महाराणा प्रताप भवन के निर्माण के लिए 11 लाख रूपए देने की घोषणा भी की। इससे पहले सभा के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि व अन्य वशिष्ठ अतिथियों को पगड़ी व तलवार भेंट कर उनका भव्य अभिनंदन भी किया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला, असंध से विधायक योगेंद्र राणा, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, करनाल से डॉ. नरेंद्र प्रताप विशेष तौर पर मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने इस मौके पर उपस्थित सभी को हिंदू सम्राट पृथ्वी राज चौहान की जन्म जयंती की सभी को बधाई दी। पृथ्वी राज चौहान ने मोहम्मद गौरी को कईं बार युद्ध में परास्त भी किया था। उन्होंने कहा कि इस जयंती के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर उन्होंने प्रदेश के सभी ब्लॉकों व जिलों में पहुंचकर लोगों को पहुंचने के लिए निमंत्रण भी दिया है।

पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला ने भी हिन्द सम्राट पृथ्वी राज चौहान की जयंती की बधाई देते हुए कहा कि यह समाज इतना मजबूत है कि जब भी देश को इसकी जरूरत हुई, इसने आगे आकर अपना अहम योगदान दिया। देश की रक्षा के लिए तलवार उठाई। उन्होंने कहा कि यहां पर भव्य महाराणा प्रताप भवन बनाया जा रहा है। इस अवसर पर असंध विधायक योगेंद्र राणा ने भी कहा कि आप लोगों का हमेशा से ही मुझे पूरा प्यार व स्नेह मिला है। हम 24 घंटे आपकी सेवा के लिए तत्पर हैं।

पानीपत। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा का अभिनंदन करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, करनाल राजपूत सभा के प्रधान डॉ. नरेंद्र प्रताप, राजपूत सभा के उप प्रधान जय सिंह राणा, जरनल सैक्रेटरी मामचंद चौहान,, सचिव प्रदीप राणा, प्रदेश सचिव राहुल राणा, प्रोफेसर एमपी सिंह, कर्मचंद गोल्डी, विवेक गुप्ता, राम बहादुर राणा ककराली, मदन मोहन धेल, विशाल राणा, अनूप सिंह चौहान, डिंपल राणा, एडवोकेट राज महक राणा,बृजपाल राणा, जसमेर राणा, राजकुमार राणा दुखेडी, किरणपाल, रवि पाल, जयपाल, मान सिंह, धनराज राणा, आरपी सिंह पुंडीर, सुरेंद्र जलबेड़ा, विक्की राणा भी मौजूद रहे।

सेल्समैन को आधा किलोमीटर तक थार से घसीट ले गए

कुरुक्षेत्र। थार की खिड़की पर लटका सेल्समैन।

तेल भरवाकर रुपये बिना दिए थार चालक हो गए फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

- पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद, पुलिस जांच में जुटी
- नीचे गिरने से सेल्समैन को आई काफी खरोंचें

जीटी रोड पर गांव रतनगढ़ के पेट्रोल पंप पर ड्यूटी कर रहे एक सेल्समैन को थार चालक ने जान से मारने की धमकी देते हुए चलती गाड़ी से धक्का देकर नीचे फेंक दिया। साथ ही सेल्समैन को आधा किलोमीटर तक थार से घसीटते रहे, फिर सेल्समैन को गाड़ी से गिरा कर फरार हो गए। आरोपियों ने पेट्रोल पंप से तेल भरवाया और जब पैसे देने की बारी आई तो भाग खड़े हुए।

मानसरोवर फिलिंग स्टेशन जीटी रोड गांव रतनगढ़ के संचालक हरीश कवातरा ने इसकी शिकायत शाहबाद पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। हरीश कवातरा ने बताया कि शुक्रवार सांय एक काले रंग की थार मानसरोवर फिलिंग स्टेशन जी.टी. रोड गांव रतनगढ़ पर आई। उस थार में दो लड़के थे। जो गाड़ी चला रहा था उसने कहा टंकी फुल कर दो। सेल्समैन सुखविन्द्र ने टंकी फुल कर दी उसमें 361 रुपये का डीजल डला। जब जसविन्द्र ने पैसे मांगे को कहने लगे पेमैंट ऑनलाइन कर दी है। जब सेल्समैन ने कहा पैमेंट नही आई तो कहने लगे पीछे हट नही तो गाड़ी तेरे ऊपर चढा दूंगा। जब सेल्समैन के ऊपर चढ़ाने लगा तो सेल्समैन ने साईड में हटकर गाड़ी की खिड़की पकड़ ली और साथ लटक गया।

गाड़ी धीमी कर धकेला

इतने में ड्राइवर ने गाड़ी भगा ली और लगभग आधा कि.मी. जाने के बाद कहने लगे कि अब छोड़ दे नहीं तो गोली लगेगी। सेल्समैन ने कहा कि चला गोली, ऐसे नही छोड़ता, तो गाड़ी धीमी करके सेल्समैन को नीचे धकेल दिया जिससे उसको काफी खरोंचें आई। वहीं सारी वारदात फिलिंग स्टेशन पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो गुटों में चले ईंट-पत्थर, पानी की टंकियां क्षतिग्रस्त

अंबाला। रंजिशन दो गुटों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले। इस दौरान कई घरों की वाटर स्टोरेज की टंकियां टूट गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पाया और लोगों को पत्थरबाजी से रोका। घटना देर शाम की है।

दरअसल टांगरी बांध रोड पर परशुराम मंदिर के पास रंजिश के चलते दो गुटों में झगड़ा हो गया।

- सूचना के बाद पुलिस ने स्थिति पर पाया काबू, पत्थरबाजी के दौरान कई घरों की खिड़कियां भी टूटीं

दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस के पहुंचने के बाद मौके पर शांति हो गई। इस पत्थरबाजी में आसपास के कई घरों के खिड़की व दरवाजे भी टूटे हैं। कुछ दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के घरों में रखीं चीजों को नुकसान पहुंचा है। सूचना पाकर पुलिस बल मौके पर पहुंचा मार्च भी निकालकर आरोपियों को काबू करने का प्रयास किया। महेश नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अजीत ने बताया कि पथराव के दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

चीपर मशीन से कटकर प्रवासी मजदूर की मौत

यमुनानगर। थाना यमुनानगर सदर क्षेत्र के खजूरी रोड स्थित प्लाईवुड फैक्ट्री की चीपर मशीन में कट कर मजदूर की मौत हो गई। मशीन में आने से मजदूर के शरीर के छोटे-छोटे कई टुकड़े हो गए, जिससे उसकी शिनाख्त भी नहीं हो पा रही थी।

- छोटे छोटे टुकड़ों में बंटा शव पुलिस ने बिहार में मृतक के परिजनों को दी सूचना

मौके पर पहुंची पुलिस ने एक पन्नी में उसके शरीर के टुकड़ों को एकत्रित किया और बिहार में उसके परिजनों को सूचना दे दी है। मूल रूप से बिहार के बीरोखेड़ी निवासी विजय कुमार (21) कुछ महीने पहले यहां मजदूरी के लिए आया था। यहां पर खजूरी रोड स्थित अग्रवाल प्लाईवुड में चिपर मशीन पर काम करता था। शनिवार दोपहर फैक्ट्री में उक्त मशीन पर काम करते हुए अचानक वह मशीन में आ गया और उसके शरीर के कई छोटे-छोटे टुकड़े हो गए। फैक्ट्री के कुछ जिम्मेदार भी मौके पर पहुंचे और मशीन को तुरंत रूकवाया गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पता लगा तो थाना पुलिस भी पहुंची। उधर विजय के परिजनों को सूचना दे दी है, जो वहां से निकल चुके हैं।

NEW HAPPY SR. SEC. SCHOOL

(Permanent Recognised) SINCE 1972

LUXMI GARDEN, YAMUNA NAGAR

EXCELSIOR

100% Result

Congratulations to all Students, Parents & Staff Members

XII Achievers

Subject-wise Highest Marks

Maths - 100, Acct. - 99, Phy. Edu. - 99
Comp. Sci. - 98, Busi. Stud. - 97,
Biology - 96, English - 95, Pol. Sci. - 95

Aastha 97% (Commerce) | Bhoomika 96.6% (Commerce) | Sakshi 90.8% (Commerce) | Simran 88.8% (Arts) | Prachi 88.4% (Non-Med.)

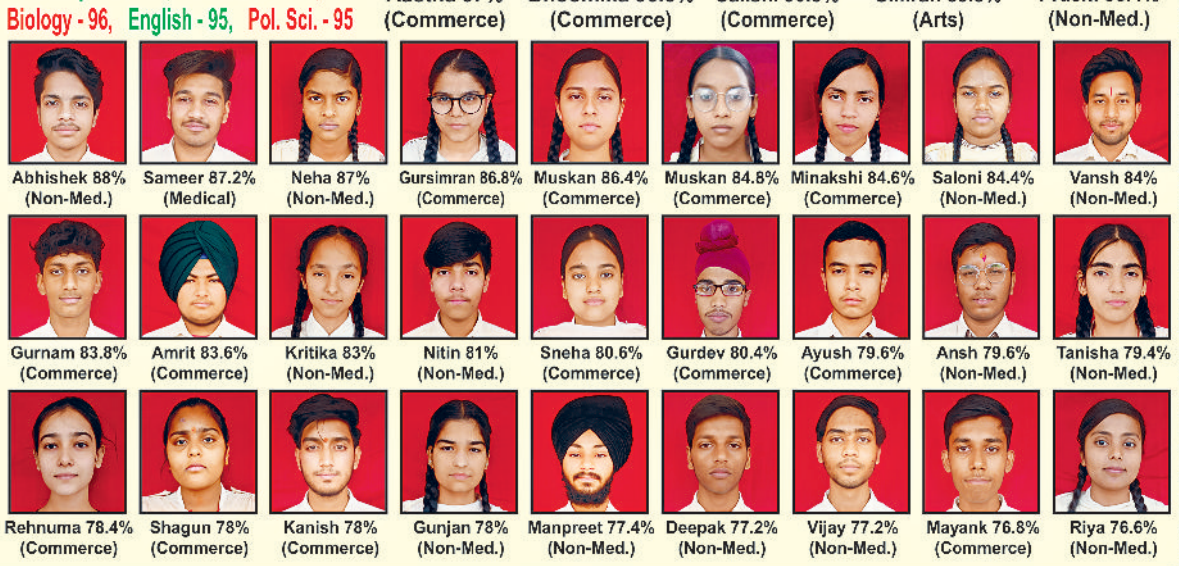

Abhishek 88% (Non-Med.) | Sameer 87.2% (Medical) | Neha 87% (Non-Med.) | Gursimran 86.8% (Commerce) | Muskan 86.4% (Commerce) | Muskan 84.8% (Commerce) | Minakshi 84.6% (Commerce) | Saloni 84.4% (Non-Med.) | Vansh 84% (Non-Med.)

Gurnam 83.8% (Commerce) | Amrit 83.6% (Commerce) | Kritika 83% (Non-Med.) | Nitin 81% (Non-Med.) | Sneha 80.6% (Commerce) | Gurdev 80.4% (Commerce) | Ayush 79.6% (Commerce) | Ansh 79.6% (Non-Med.) | Tanisha 79.4% (Non-Med.)

Rehnuma 78.4% (Commerce) | Shagun 78% (Commerce) | Kanish 78% (Commerce) | Gunjan 78% (Non-Med.) | Manpreet 77.4% (Non-Med.) | Deepak 77.2% (Non-Med.) | Vijay 77.2% (Non-Med.) | Mayank 76.8% (Commerce) | Riya 76.6% (Non-Med.)

Our Gems of Class - X

Angel 94.6% | Manisha 93% | Akshra 91.6% | Ritik 91.6% | Lovish 90.8% | Harsh 89.8% | Ritika 88%

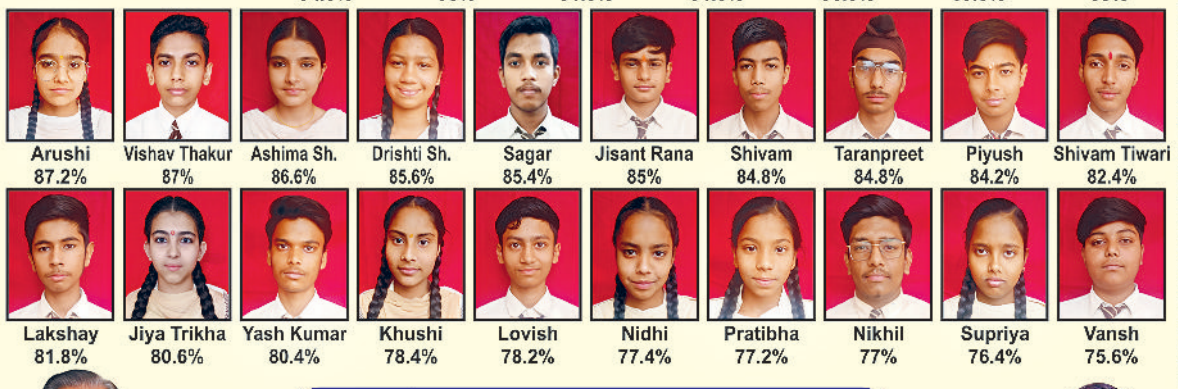

Arushi 87.2% | Vishav Thakur 87% | Ashima Sh. 86.6% | Drishti Sh. 85.6% | Sagar 85.4% | Jisant Rana 85% | Shivam 84.8% | Taranpreet 84.8% | Piyush 84.2% | Shivam Tiwari 82.4%

Lakshay 81.8% | Jiya Trikha 80.6% | Yash Kumar 80.4% | Khushi 78.4% | Lovish 78.2% | Nidhi 77.4% | Pratibha 77.2% | Nikhil 77% | Supriya 76.4% | Vansh 75.6%

Subject-wise Highest Marks

Maths - 99 ★ Phy. Edu. - 99 ★ Science - 98 ★ English - 98
S.St. - 96 ★ Hindi - 94 ★ Sanskrit - 91 ★ Punjabi - 83

G.S. Sharma Chairman

Kamlesh Sikka Principal

Vishwas Kashyap Secretary

HOLY MOTHER PUBLIC SCHOOL (10+2)

(Affiliated to C.B.S.E., Delhi)

Ratouli Road, Kansapur, Yamuna Nagar Ph. : 9729266908

Congratulations to all Students, Parents & Staff Members

Excellent Result

Our Toppers of Class - XII

Shivansh 94% (Non-Med.) | Priya 92.6% (Comm.) | Preeti 91% (Comm.) | Shagunpreet 90% (Comm.) | Manjul 90% (Arts) | Harpreet K. 89% (Medical) | Poras 88% (Non-Med.) | Kanwalpreet 88% (Arts)

Mehak 85.4% (Medical) | Rohit 85.2% (Medical) | Vasundhra 84.6% (Medical) | Deepanshu 83% (Arts) | Ridhima 82.6% (Super Sci.) | Nikhil 82.4% (Non-Med.) | Samiksha 81% (Comm.) | Vanshika 81% (Comm.)

Ashia 81% (Medical) | Kawaljeet 80% (Comm.) | Paras 80% (Arts) | Rajkrishna 80% (Arts) | Yuvraj 80% (Arts) | Ishika 80% (Arts) | Tanisha 79% (Arts) | Parul 78% (Arts) | Sameer 78% (Arts)

Yashika 77.6% (Comm.) | Sheetal 77.2% (Comm.) | Aditya 76% (Comm.) | Harshit 75.8% (Comm.) | Jashandeep 75% (Arts) | Mayank 75% (Arts) | Rudraksh 75% (Arts) | Sonam 75% (Comm.) | Aradhana 75% (Non-Med.)

Subject-wise Highest Marks

Music 100
Maths 97
Accounts 96
Economics 96
English 95
Chemistry 95
Physical 95
Hindi 95
Physics 93
Business 93
Biology 90
History 90
Pol. Sci. 90

Shining Stars of Class - X

Aditya Verma 94% | Aakash 91% | Devansh 90.2% | Sakshi 90% | Daksh 89.6% | Vansh Patel 89% | Mansi 88.8% | Param 86.6%

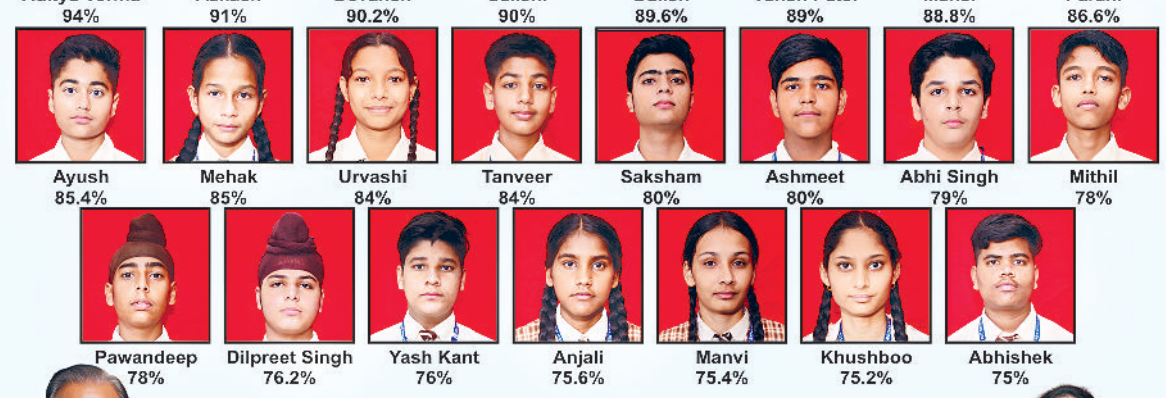

Ayush 85.4% | Mehak 85% | Urvashi 84% | Tanveer 84% | Saksham 80% | Ashmeet 80% | Abhi Singh 79% | Mithil 78%

Pawandeep 78% | Dilpreet Singh 76.2% | Yash Kant 76% | Anjali 75.6% | Manvi 75.4% | Khushboo 75.2% | Abhishek 75%

Subject-wise Highest Marks

Social Study - 96 ✤ Science - 95
Maths - 95 ✤ English - 95
Info. Tech. - 95 ✤ Hindi - 94

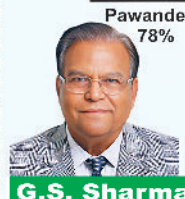

G.S. Sharma Chairman

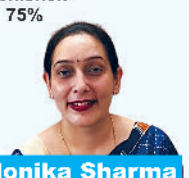

Monika Sharma Principal

खबर संक्षेप

आबकारी नीति के तहत ई-टेंडर 31 तक आमंत्रित

करनाल। आबकारी एवं कराधान विभाग की डिप्टी कमिश्नर नीरज ने बताया कि हरियाणा सरकार की वर्ष 2025-27 तक की आबकारी नीति के अनुसार जिला करनाल को 54 जोन में आवंटित किया गया है जिनका आरक्षित मूल्य 580,36,00,000 रुपये है। जिला का देसी शराब का कोटा 139,91,660 पीएल, अंग्रेजी शराब का 47,14,290 पीएल और आयातित अंग्रेजी शराब का कोटा 47,665 पेटी है। ई-टेंडर की तिथि बढ़ाकर 31 मई तक कर दी गई है।

एंटी करप्शन फाउंडेशन ने किया सम्मानित

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा नैशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में टॉप लीडर्स एवं न्यू फैमिली मेंबर्स मीट का भव्य आयोजन किया गया जिसमें करनाल के टॉप लीडर्स को भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर टॉप लीडर्स का फुल मालाएं पहनाकर एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

मां भगवती के जागरण व भंडारे का आयोजन

तरावड़ी। युवा जागृति सेवा समिति की ओर से सभी नगर वासियों के सहयोग से नौंवा विशाल भगवती जागरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। युवा जागृति सेवा समिति के सेवादार पवन शर्मा ने बताया कि शनिवार दिनांक 31 मई वार्ड नः 15 में नजदीक गुगा माड़ी के पास मां भगवती का विशाल जागरण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें श्याम जागरण पार्टी तरावड़ी वाले अपनी मधुर वाणी से मां भगवती की भेंटों का गुणगान करेंगे और 7:00 बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं अखंड भंडारा

तरावड़ी । विश्व प्रसिद्ध तरावड़ी मे ब्रह्मलीन परमपूज्य गुरू बाबा बंसी वाले जी एवं परम श्रद्धेय श्री स्वामी मुक्तानन्द जी महाराज भिक्षु की असीम अनुकंपा से व पूर्वजों के पावन आर्शीवाद से शिव शक्ति इंटर ग्लोब एक्सपोर्टस प्रा.लि. की ओर से तरावड़ी मे 6 अगस्त से 13 अगस्त तक सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं अखंड भंडारे का नई अनाज मंडी में किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुये शिव शक्ति इंटर ग्लोब एक्सपोर्टस प्रा.लि. के सीएमडी. रमेश गुप्ता ने बताया कि स्वर्गीय लाला पन्ना लाल जी, भगवन्ती देवी जी की पुण्य स्मृति में सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं अखंड भंडारे का आयोजन करवाया जा रहा है। 6 अगस्त को तरावड़ी के शिवशक्ति सतसंग भवन नगर खेड़ा से कथास्थल तक विशाल कलश यात्रा निकाली जाऐगी। जिसमें शहर की 11 सौ महिलायें कलश लेकर व सैंकड़ो की तादाद लोग हिस्सा लेंगे।

आज से नौतपा शुरू: सूरज बरसाएगा आग, चरम पर रहेगा लू का प्रकोप

- तापमान पहुंचेगा 45 डिग्री के पार, बारिश की नहीं कोई उम्मीद
- स्वास्थ्य विभाग ने दी चेतावनी — बचाव ही है सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा में भीषण गर्मी का दौर शुरू होने जा रहा है। 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है, जो 2 जून तक चलेगा। नौतपा के इन नौ दिनों को साल का सबसे गर्म समय माना जाता है और इस बार भी सूर्य अपने पूरे तेज पर रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक पहुंच सकता है। गर्म हवाएं (लू) प्रदेश के अधिकतर जिलों को अपनी चपेट में लेंगी।

किन जिलों में सबसे ज्यादा असर

हिसार, सिरसा, भिवानी, फतेहाबाद, रोहतक, चरखी दादरी, झज्जर जैसे जिलों में तापमान सबसे अधिक रहेगा। वहीं गुरुग्राम, फरीदाबाद, करनाल, पानीपत और यमुनानगर में भी लू का खासा असर देखने को मिलेगा।

बारिश की नहीं कोई उम्मीद

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, नौतपा के दौरान वर्षा की संभावना लगभग नहीं के बराबर है, जिससे गर्मी और अधिक तीव्र हो जाएगी। हवा में नमी कम रहेगी और धूप अधिक झुलसाने वाली होगी। आने वाले दिनों में गर्मी से बचाव ही सुरक्षा की गारंटी है।

नौतपा में ऐसे करें खुद का बचाव

- दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप में बाहर निकलने से बचें।
- सिर पर टोपी, गमछा या छाता जरूर साथ रखें।
- हल्के रंग के सूती और ढीले कपड़े पहनें।
- गर्मी से बचने के लिए घरों में खिड़कियों पर गीले परदे, टाट या ठंडे पानी के पंखे इस्तेमाल करें।
- वाहन में बैठे हुए बच्चों या बुजुर्गों को अकेले न छोड़ें।
- धूप से लौटने पर तुरंत ठंडा पानी न पिएं — पहले शरीर का तापमान सामान्य करें।

लक्षणों को न करें नजरअंदाज: यदि किसी को अत्यधिक पसीना, चक्कर, तेज बुखार, उल्टी, बेचैनी या बेहोशी महसूस हो रही है, तो ये हीट स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं। तुरंत ठंडी जगह ले जाकर पानी पिलाएं और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं।

स्वास्थ्य विभाग की अपील: गर्मी को हल्के में न लें। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों का विशेष ख्याल रखें। सावधानी ही सुरक्षा है।" इस लिए स्वयं को तेज धूप से बचाकर रखें।

ऐसा रखें खानपान, ताकि शरीर रहे ठंडा

- दिनभर खूब पानी पीएं — चाहे प्यास लगे या नहीं।
- नींबू पानी, नारियल पानी, बेल का शरबत, लस्सी और छाछ का सेवन करें।
- खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा जैसे रसीले फल खाएं।
- प्याज, पुदीना, दही का सेवन करें — ये शरीर को ठंडा रखते हैं।
- तली-भुनी और मसालेदार चीजों से परहेज करें।
- चाय, कॉफी और शराब जैसे गर्म और डीहाइड्रेट करने वाले पेय से बचें।

गांव रायपुर, बस्तली, गुनियाना में चौपाल के लिए 16-16 लाख की घोषणा

महर्षि कश्यप ने ज्ञान, तप और अनुसंधान से मानव सभ्यता को दी नई दिशा: विधायक

विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने कश्यप जयंती पर कार्यक्रमों में की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तराचड़ी। ऋषि कश्यप जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों भाग लेते विधायक भगवान दास कबीरपंथी। फोटो: हरिभूमि

घरौंडा। महर्षि कश्यप जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते लोग।

विधायक भगवान दास कबीरपंथी आज गांव रायपुर , बस्तली, गुनियाना में ऋषि कश्यप जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। जहां पहुंचने पर विधायक का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रमों के दौरान विधायक ने इन गांवों में कश्यप चौपाल के लिए 16-16 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि कश्यप ने ज्ञान, तप और अनुसंधान से मानव सभ्यता को नई दिशा दी। उन्होंने समाज को नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। ऐसे महान ऋषि का प्रेरणादायक व्यक्तित्व हमेशा मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा है। इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे शक्तिशाली राजा दिए। राजा निषाद ने ही भगवान श्री रामचंद्र जी को वनवास के दौरान आश्रय दिया था। आज़ादी के आंदोलन में भी इस समाज ने सराहनीय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि कश्यप समाज ने महर्षि कश्यप जी के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलते हुए देश निर्माण में अहम योगदान दिया। विधायक ने प्रदेश सरकार महापुरुषों की जयंतियों को राज्य स्तर पर मनाने का कार्य कर रही है। इसी कड़ी में गत दिवस लाडवा में राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश सरकार महापुरुषों के गौरवशाली इतिहास एवं उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हम अपने महापुरुषों के इतिहास से परिचित नहीं होंगे, तब तक हमारे जीवन का कल्याण संभव नहीं है। उनके जीवन से हमें एकता और भाईचारे की भावना के साथ रहने की प्रेरणा मिलती है।

कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा: सन्दीप लोहट

घरौंडा। घरौंडा खण्ड के कालरों गांव में शनिवार को कश्यप चौपाल में महर्षि कश्यप जयन्ती को बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें मुख्य रूप से भाजपा मण्डल मीडिया प्रभारी संदीप लोहट,पूर्व पंच मेमपाल राणा,तेजबीर वाल्मीकि,रामदिया कश्यप,वीरेंद्र राणा उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सर्वप्रथम हवन यज्ञ कर सभी अतिथियों ने महर्षि कश्यप के चित्र पर पुष्पअर्पित कर कोटि कोटि नमन किया। भाजपा के मण्डल मीडिया प्रभारी संदीप लोहट नेअपने सम्बोधन में उपस्थित लोगों को कश्यप जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महर्षि कश्यप ने ज्ञान, तप और अनुसंधान से मानव सभ्यता को नई दिशा दी। उन्होंने समाज को नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। हमारे देश की आत्मा ऋषि मुनियों में बसती है और उनके सिद्धांत भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण और प्रभावी है। हमें ऐसे महान ऋषि के प्रेरणादायक व्यक्तित्व और उनके द्वारा दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए ताकि हमारा समाज व देश तरक्की कर सके। उन्होंने बताया कि कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा है। इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे शक्तिशाली राजा दिए।

तरावड़ी। कार्यक्रम मे भाग लेने के बाद विजेता छात्र अपने प्रशस्ति पत्र के साथ।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में छाए प्रताप स्कूल के छात्र

- स्कूल प्रबंधन ने छात्रों के साहस और आत्मविश्वास की सरहाना की
- विजेता छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

प्रताप पब्लिक स्कूल में खेल भावना और अनुशासन का अनूठा संगम देखने को मिला, जब कक्षा पहली से आठवीं तक के छात्रों के लिए दो दिवसीय अंतर्विद्यालय ताइक्वांडो स्पीड किक प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने न केवल शारीरिक दक्षता बल्कि आत्मविश्वास और साहस का भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का पहला दौर सभी प्रतिभागी छात्रों के बीच हुआ, जिसमें उन्होंने 30 सेकंड की निर्धारित अवधि में एक-दूसरे पर तेज़ और नियंत्रित किक लगाते हुए अपना दमखम दिखाया। इस रोमांचक मुकाबले के आधार पर आठ प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिन्होंने दूसरे राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल राउंड में चार छात्रों ने जबरदस्त फुर्ती और नियंत्रण का परिचय देते हुए निर्णयों को प्रभावित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के चेयरपर्सन हन्नी चौधरी, निर्देशिका पिथी चौधरी और प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने विजेता छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने प्रतिभागियों की मेहनत, समर्पण और खेल भावना की भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने इस अवसर पर कहा, इस प्रकार की प्रतियोगिता छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ये न केवल उन्हें अनुशासन, धैर्य और आत्म-नियंत्रण सिखाती हैं, बल्कि जीवन में आत्मरक्षा और आत्मविश्वास के महत्वपूर्ण गुण भी विकसित करती हैं।

माता अहिल्याबाई के आदर्शों से प्रेरणा लेकर दें राष्ट्र निर्माण में दें योगदान

- मलोकमाता अहिल्याबाई धर्म नीति और लोक कल्याण की अनौखी मिसाल थीं : भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आरंभ किए गए जन-जागरण अभियान के अंतर्गत आज भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, उनके योगदान तथा उनके आदर्शों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान माता अहिल्याबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई धर्म नीति और लोक कल्याण की प्रतिमूर्ति लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर नारी नेतृत्व, न्यायप्रियता और जनसेवा की अनुपम मिसाल थीं। उनका जीवन नेतृत्व, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए आज प्रेरणास्रोत बना हुआ है। जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री भी उनका अनुसरण कर राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर आह्वान किया कि वे भी माता अहिल्याबाई के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रदेश सह प्रमुख अवनीत कौर ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति की अद्वितीय प्रतीक थी। इस मौके पर असंध विधायक योगेंद्र राणा ने भी अपने विचार रखे।कार्यक्रम में प्रदेश सह प्रमुख अवनीत कौर ,चेयरपर्सन निर्मला बैरागी,अहिल्याबाई होल्कर कार्यक्रम संयोजक संजय राणा , सह संयोजक साहिल मदान,कीर्ति शर्मा, विक्रम पाल एवं सुखबीर पाल के अतिरिक्त अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करनाल। माता अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित करते अतिथि।

महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर चर्चा की

- महाराणा प्रताप उद्यान विवि में हुआ जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा के दिशा-निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं स्नातकोत्तर अध्ययन संकायाध्यक्ष डॉ. धरम पाल द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं के अधिकारों पर जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन बागवानी महाविद्यालय, अंजनथली में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों तथा महिलाओं के अधिकारों और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी संभावनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बागवानी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक प्रो. रंजन गुप्ता ने कहा कि महिलाओं के संवैधानिक एवं शैक्षिक अधिकारों को विस्तार से समझाया। उन्होंने खेल, अंतरिक्ष अनुसंधान, उद्यमिता तथा स्वयं सहायता समूहों जैसे विविध क्षेत्रों में महिलाओं की असीम क्षमताओं पर प्रकाश डाला। उनका संबोधन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक रहा और उन्हें रूढ़ियों को तोड़ते हुए उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। फल विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के अधिकारों तथा उनके सशक्तिकरण पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने समावेशी शिक्षा और सामाजिक सहयोग के माध्यम से सभी को समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम का सफल समन्वयन डॉ. राजिंदर चौहान एवं डॉ. उमा प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव एवं विश्वविद्यालय की सभी वर्गों के लिए समानता, जागरूकता एवं सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि के साथ हुआ।

करनाल। कार्यशाला में उपस्थित वैज्ञानिकगण व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

सिख धर्म के ऐतिहासिक मीरी पीरी दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय आयोजन चंडीगढ़ में

- उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली सिख शख्सियतों को विशेष सम्मान व राज्य स्तरीय अवार्ड दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। कार्यक्रम की जानकारी देते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

एक ओअंकार ग्रुप द्वारा इंटरनेशनल सिख फोरम व चडदी कला ग्रुप के सहयोग से देश भर की सिख हस्तियों के सफल जीवन को लोगों के सामने लाने की मुहिम शुरू की जा रही है जिसकी शुरुआत हरियाणा प्रदेश से होगी। आज एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी देते हुए एक ओअंकार ग्रुप के प्रबंध निदेशक व इंटरनेशनल सिख फोरम के महासचिव प्रितपाल सिंह पन्नु ने बताया कि आने वाली 6 जुलाई को सिख धर्म के ऐतिहासिक मीरी पीरी दिवस को समर्पित एक राज्य स्तरीय आयोजन चंडीगढ़ में किया जाएगा जिसमे धार्मिक, न्यायिक, प्रशासनिक, सैन्य बलों, कृषि, चिकित्सा, राजनीति, फौज, खेल, व्यवसाय आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाली सिख शख्सियतों को विशेष सम्मान व राज्य स्तरीय अवार्ड दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह हरियाणा के सिख समाज की प्रेरक जीवन गाथाओं और उनके सामाजिक योगदान को एक साझा मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसके तहत एक विशेष कॉफी टेबल बुक तैयार की जा रही है जिसे इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विमोचित किया जाएगा। यह अनूठी पुस्तक समाज के उन खास चेहरों के सार्थक प्रयासों को सामने लेकर आएगी, जिन्होंने अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करते हुए समाज को नई दिशा दी है।

नशे से शरीर ही नहीं परिवार भी बर्बाद हो रहे

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

अखिल भारतीय जाट महासभा की हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी व जिला कार्यकारिणी की मीटिंग शनिवार को जाट भवन में हुई। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह ने शिरकत की। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राजिंद्र सुरा ने की। बैठक में जाट समाज को और मजबूत करने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही प्रदेश कार्र्यकारिणी व कई जिलों के नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई। मुख्य वक्ता युद्धवीर सिंह ने कहा कि हमें अपने बच्चों को समाज के मूल चरित्र से अवगत करवाना चाहिए। उनमें अच्छे संस्कार भरने चाहिए। विदेशी सभ्यता अपनाने के कारण युवा अपना भविष्य खराब कर रहे हैं, उन्हें समझाना होगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि नशे से दूर रहे। नशा पहले व्यक्ति को खोखला कर देता है और फिर वह व्यक्ति अपने परिवार, समाज व देश के लिए कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जमीन बेचकर विदेश जाने का चलन सही नहीं है। श्रम करें, सुविधाओं का लाभ उठाएं, लेकिन जमीन न बेचें। । इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजिंद्र सुरा ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लाइब्रेरी बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज जिन लोगों को बतौर पदाधिकारी नियुक्त किया गया है उन्हें अपनी भूमिका निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभानी होगी। हमें एकजुट रहकर संगठन को मजबूत करना है और समाज को तरक्की की राह पर अग्रसर करना है।

करनाल। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यवक्ता। फोटो: हरिभूमि

विदेशी सभ्यता अपनाने से बचना चाहिए

इंसानियत में विश्वास रखता है। मीडियाकर्मियों से बातचीत में युद्धवीर सिंह ने कहा कि कानून में रीति रिवाज और चलन का सम्मान करने की बात कही गई है। देश की सभ्यता के अनुसार कानून में संशोधन किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में सरकार की उदासीनता सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि समलैंगिक विवाह का अखिल भारतीय जाट महासभा शुरू से ही विरोध करती आ रही है। यह हमारे देश का चरित्र नहीं है। विदेशी सभ्यता नहीं अपनानी चाहिए। प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

एडवोकेट संजय मदान के राज्य सूचना आयुक्त बनने पर खुशी

- 26 मई को होगा हरियाणा भवन में शपथ ग्रहण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में संजय मदान को हरियाणा राज्य सूचना आयोग में राज्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्त होने पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने उनकी इस नियुक्ति पर संजय मदान को मीठा मुंह करा कर बधाई दी। इस मौके पर संजय मदान ने बताया कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा राज्य सूचना आयोग में पांच राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त किए हैं। उन्होंने बताया कि करनाल से मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है जिसके लिए में केंद्रीय मंत्री एवं करनाल से सांसद मनोहर लाल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली व केंद्रीय नेतृत्व का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इस सूची में अमरजीत सिंह, एचसीएस (सेवानिवृत्त), कर्मवीर सैनी,नीता खेड़ा, प्रियंका धोपरा के नाम भी शामिल हैं। जानकारी अनुसार पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने नायब सैनी की अध्यक्षता में चयन कमेटी की बैठक हुई थी, जिसमें मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के नामों को लेकर मुहर लगी थी। सरकार ने मुख्य सूचना आयुक्त के पद के लिए सेवानिवृत्त आईएएस एवं राज्य के पूर्व मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद के नाम को मंजूरी दी थी।

करनाल। एडवोकेट संजय मदान को बधाई दते भाजपाई। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

वाल्मीकि बस्ती में मादक पदार्थ तस्कर पकड़ा

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने गंगापुरी रोड वाल्मीकि बस्ती में मंदिर के पास मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में भारत पुत्र राकेश निवासी वाल्मीकि बस्ती, पानीपत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 636 ग्राम गांजा बरामद किया है। थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि पूछताछ में भारत ने बताया कि उसे गांजा, सोनू ने बिक्री के लिए दिया था। इसकी एवज में उसे कमिशन मिलता है। इधर, थाना चांदनी बाग ने आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं भारत की गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर आरोपी सोनू फरार हो गया। पुलिस इसकी सरगर्मी से तलाश का रही है।

अवैध हथियार केस में दो लोग गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने सतपाल पुत्र राजेंद्र निवासी गांव कुराड़ जिला पानीपत को अवैध देसी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने सतपाल से मिली जानकारी के आधार पर इसे 45 हजार रूपये में अवैध हथियार बेचने के आरोपी सोनीपत के थरियां गांव निवासी साजिद खान को भी गिरफ्तार कर लिया। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना औद्योगिक सेक्टर 29 में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है। इधर, कोर्ट ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

नौकरानी ने सोने की अंगूठी चोरी की, केस

पानीपत। पानीपत के अंसल सुशांत सिटी निवासी मनुज बुद्धिराजा का आरोप है कि उनके घर से उनकी नौकरानी लक्ष्मी कुमारी ने सोने की अंगुठी चोरी कर ली। मनुज की शिकायत पर हुडा सेक्टर 13-17 थाना पुलिस ने लक्ष्मी पर केस दर्ज किया है। वहीं पुलिस को दी शिकायत में मनुज बुद्धिराजा ने बताया कि लक्ष्मी कुमारी करीब दो साल से उनके घर पर काम कर रही है। इधर, 22 मई को परिवार वालों ने देखा कि घर पर एक सोने की अंगूठी और अन्य सामान गायब था। उन्होंने लक्ष्मी पर चोरी का शक जताया है। वहीं पुलिस ने चोरी के इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

चेक बाउंस मामले में पुलिस ने भगौड़ा पकड़ा

पानीपत। पानीपत पुलिस के पीओ स्टाफ पुलिस टीम ने चेक बाउंस के मामले में न्यायालय से भगौडा यानि पीओ घोषित आरोपी नरेश निवासी गांव भंडारी जिला पानीपत को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने नरेश को जुलाई सन- 2023 में भगौडा घोषित किया था। आरोपी के खिलाफ थाना शहर में आईपीसी की धारा 174ए के तहत केस दर्ज है। इधर, पुलिस ने नरेश को कोर्ट में पेश किया। वहीं अदालत ने नरेश को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गांव मतलौडा में ईंट भट्ठा संचालक को पीटा

पानीपत। पानीपत के गांव मतलौडा में ईंट भट्ठा चलाने वाले सुरेश कुमार के साथ उसके ही दोस्त राज सिंह उर्फ भोकल निवासी गांव धर्मगढ़ जिला पानीपत ने शुक्रवार को अपने साथियों के साथ मिल कर उस पर हमला बोल दिया और उसकी दो कारों को क्षतिग्रस्त कर दिया। सपुलिस ने राज सिंह व इसके साथियों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जासूसी करने वाला नोमान जेल भेजा

पानीपत। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार नोमान इलाही निवासी कैराना, जिला शामली, उत्तर प्रदेश को सीआईए वन ने उसकी रिमांड अवधि पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने पुलिस का पक्ष जानने के बाद नोमान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। स्मरणीय है कि नोमान को 13 मई को पानीपत की सीआईए-वन टीम ने गिरफ्तार किया था। पुलिस को अब तक की पूछताछ में पता चला है कि वह सिर्फ आईएसआई हैंडलर इकबाल काना ही नहीं, बल्कि एक अन्य पाकिस्तानी हैंडलर और हमीदा बानो के संपर्क में भी था। ये सभी उत्तर प्रदेश के कैराना के रहने वाले हैं, जो पाकिस्तान भाग गए थे। इधर, पुलिस की जांच में पता चला कि नोमान बडे स्तर का जासूस नहीं था।

होंडा ने दो बाइक लॉन्च की

पानीपत। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने शनिवार को अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो में दो नई बाइक सीबी750 हॉर्नेट और सीबी 1000 हॉर्नेट एसपी को लॉन्च किया। नई प्रीमियम मोटरसाइकलों की शुरुआत पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, प्रेसीडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा कि भारत का प्रीमियम मोटरसाइकल सेगमेंट वर्षों से शानदार विकास कर रहा है, वहीं, सीबी750 हॉर्नेट और सीबी1000 हॉर्नेट एसपी, मोटरसाइकलें होंडा की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, एग्रेसिव डिजाइन को दर्शाती हैं।

सार्वदेशिक आर्य वीर व वीरांगना दल का प्रशिक्षण कैंप शुरू

विद्यार्थियों को संस्कारी बनाती हैं आर्य शिक्षण संस्थाएं : रवि

पानीपत। आर्य बाल भारती स्कूल में सर्वदेशिक आर्य वीर व वीरांगना दल के कैंप का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण।

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

आर्य बाल भारती विद्यालय परिसर में आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक और आर्य बाल भारती विद्यालय प्रबंधन समिति के संयुक्त तत्वावधान में सर्वदेशिक आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल का सात दिवसीय शारीरिक एवं बौद्धिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। वहीं, आर्य प्रतिनिधि सभा रोहतक के अंतरंग सदस्य रणदीप आर्य ने ध्वजारोहण कर कैंप का उद्घाटन किया। इधर, शनिवार को कैंप के मुख्य अतिथि विद्यालय के उप प्रधान रवि अहलावत रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कोषाध्यक्ष मेहताब मलिक ने की। जबकि समाजसेवी सुमित्रा आर्य, जसवीर ग्वालडा, राजेंद्र आर्य, प्रवीण आर्य, जयराम आर्य, करण आर्य, आचार्य राजकुमार शास्त्री ने इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं, उप प्राचार्य जगदीश आर्य ने शिविर में पहुंचने पर अथितियों का स्वागत किया। पीटीआई आशा अरोड़ा ने सभी का आभार जताया। दूसरी ओर, मुख्य अतिथि रवि अहलावत ने कहा कि वेद विश्व के सबसे प्राचीन ग्रंथ है योग भी वेदों में लिखित है। वहीं आर्य शिक्षण संस्थाएं, आर्य वीर दल के कैंप का आयोजन कर विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति के प्रति जागरूक किया जाता है, ताकि बच्चों को संस्कारवान बनाया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर चार धाम यात्रा शुरू

- शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा ने नारियल फोडक़र बस को रवाना किया
- यात्रा को ले जाने का निर्णय टीवी कलाकार मनोज पांचाल की टीम ने लिया

पानीपत। भाजपा नेता हरपाल ढांडा, चार धाम यात्रा का शुभारंभ करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत की बरसत रोड स्थित सचदेवा गार्डन से शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर में भारत की विजय पर चार धाम यात्रा के लिए हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा ने नारियल फोडक़र बस को रवाना किया। इस चार धाम यात्रा को ले जाने का निर्णय टीवी कलाकार मनोज पांचाल की टीम ने लिया था। जिसे विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना करके रवाना किया गया। हरपाल ढांडा ने कहा कि जहां भारतीय सेना ने अपना पराक्रम दिखाकर पड़ोसी देश पाकिस्तान के आंतकी ठीकाने ध्वस्त किए हैं और पूरी दुनिया में भारत का सिर ऊंचा किया है। सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर की याद में चार धाम यात्रा निकालना धार्मिक एवं देश भक्ति का प्रमाण है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी और मंगल यात्रा की कामना की। इस अवसर पर आयोजन मनोज पांचाल की टीम ने हरपाल ढांडा का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। हरियाणा पत्रकार संघ के प्रधान विनोद पांचाल, श्री विश्वकर्मा सभा के प्रबंधक राजकुमार पांचाल माजरी वाले, सुनील शर्मा, धर्मेंद्र इंसा, बिजेंद्र पांचाल, रविंद्र पांचाल आदि का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मनोज पांचाल, अनिल पांचाल, नीरज लाडवा, सोनू, शिवम व कुलदीप आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पानीपत। राजकीय स्कूल बडौली के विद्यार्थी बनाई गई पेंटिंगों का अपने टीचर्स के साथ प्रदर्शन करते हुए।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को रंगों से उकेरा

पानीपत। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बड़ौली में भारतीय सेना द्वारा आयोजित ऑप्रेशन सिंदूर पर पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। वहीं, प्राचार्या मधुबाला ने बताया कि आतंकवाद के विरुद्ध भारतीय सेवा द्वारा चलाए जा रहे ऑप्रेशन सिंदूर साहसिक कदम पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय सेना के पराक्रम एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारतीय सेना के अधिकारियों के द्वारा किए गए साहसिक कार्य को पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। ललित कला प्राध्यापक प्रदीप मलिक ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चों में देश प्रेम की भावना जागृत होती है। बच्चों ने अपनी पेंटिंग के माध्यम से भारतीय सेना की अधिकारी सोफिया कुरैशी व्योमिका सिंह के साथ और पराक्रम को प्रदर्शित किया है। पेंटिंग प्रतियोगिता में नवप्रीत कौर, नेहा रानी आरती, गुंजन एवं राखी की पेंटिंग को खूब सराहना की गई। इस अवसर पर सुशील कुमारी, रविंद्र सिंह, प्रीति दुहन, ममता देवी, नरेश

समालखा को नगर परिषद बनाने को ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी

- दावे व आपतियों के दर्ज होने के तीस दिन के बाद फिर जार होगा नोटिफिकेशन

समालखा। नगर परिषद बनाने के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन दिखाते हुए पीपी कपूर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ समालखा

हरियाणा सरकार ने समालखा को नगर परिषद बनाने के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। दावे आपतियों के लिए तीस दिन का समय दिया है। इसके बाद सरकार फाइनल नोटिफिकेशन जारी करेगी। पालिका सीमा वृद्धि कराने व नगर परिषद बनवाने के लिए पिछले चार वर्षो से संघर्षरत समालखा बचाओ संघर्ष मोर्चा संयोजक कामरेड पीपी कपूर ने बताया कि नगर परिषद बनते ही सभी कालोनियों में विकास के द्वार खुलेंगे। नगर पालिका को पालिका सीमा विस्तार व सभी अवैध कालोनियों के नक्शे खुद बना कर दिये व समीपवर्ती गांव की ग्राम सभाओं से प्रस्ताव भी पारित करवा कर नगर पालिका को दिये थे। समालखा व भापरा का समस्त रेवेन्यु एस्टेट, गांव पावटी के रकबा की मयूर विहार, गणेश नगर, चंदन गार्डन कालोनी, सीता राम कालोनी एकस्टेंशन, श्री तारा एंकलेव कालोनी पार्ट वन, पार्ट टू, नेस्ले फैक्ट्री, प्रीतम पुरा एकस्टेंशन, शास्त्री कालोनी चुलकाना रोड, धर्म एंकलेव, रशिव कालोनी एकस्टेंशन, राजस्थान कालोनी एक्सटेंशन, चोपड़ा कालोनी नारायणा रोड, सांसी कालोनी, राजीव कालोनी एकस्टेंशन, बजरंग कालोनी व संगम कालोनी एक्सटेंशन भापरा, समालखा परिषद का हिस्सा बन जाएंगे।

अहर में सरपंच का चुनाव नहीं होगा

इसराना। इसराना उपमंडल के गांव अहर में सरपंच पद पर चुनाव नहीं होंगे। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट चंडीगढ़ ने नवम्बर 2022 वर्ष में चुनाव हुए थे, जिसमें महेन्द्र सिंह को निर्वाचित घोषित किया था, बाद में दूसरे स्थान पर रहे भगवान दास ने चुनाव धांधली का आरोप लगाया था। जिसे पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने आयोग्य घोषित किया था। महेंद्र सिंह ने पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी ओर इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सरपंच महेन्द्र सिंह को स्टेटस को दिया है।

मेधावी विद्यार्थी पुरस्कृत

इसराना। पानीपत के गांव उरलाना कलां के राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी में 12वीं कक्षा में आरती ने 484, मुस्कान दीप कौर ने 469, रितिका ने 464 अंक प्राप्त किए थे। जबकि 10वीं कक्षा में वंशिका ने 492, युवाकंशी ने 489 और सेजल ने 483 अंक प्राप्त किए थे। इन मेधावी विद्यार्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा और डीईईओ सुभाष भारद्वाज, बीईओ अश्विनी सैनी, सीआरसी प्रमुख रमेश और सरपंच मुकेश ने सम्मानित किया।

विश्व कल्याण की राह है सामाजिक समरसता :डॉ गुप्ता

पानीपत। आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय और सामाजिक संस्था आर्ट ऑफ लिविंग के संयुक्त तत्वावधान में संस्था का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन ब्रांडिंग टास्क, प्रश्नोत्तरी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'नेबरगुड-नेबरहुड' पर आधारित थी, जिसका उद्देश्य सामाजिक समरसता और सेवा की भावना को सशक्त करना रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने संयोजक मंडली डॉ. सोनिया सोनी, प्रो. आस्था गुप्ता, प्रो. रजनी शर्मा को शुभकामनाएं दी और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के छात्र एवं संस्था के जिला ब्रांड एंबेसडर नीतीश कुमार को भी बधाई दी। डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि कॉलेज प्रांगण में सामाजिक संस्था आर्ट ऑफ गइविंग का स्थापना दिवस मनाया। वहीं, प्रश्नोत्तरी में बीकॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा पायल ने दूसरा, बीए तृतीय वर्ष की छात्रा स्नेहा ने तीसरा और गुरदीप ने चौथा स्थान हासिल किया।

कुसुम की गला दबा कर हत्या की गई थी

- पति, सुसर व सास को गिरफ्तार किया

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने गांव उझा के पास डेरे में निवास कर रही विवाहित कुसुम की हत्या के आरोप में उसके पति सुभाष, ससुर सुखपाल व सास विधा को गिरफ्तार किया है। वहीं, थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप ने दावा किया कि आरोपियों ने कुसुम की गला दबाकर हत्या करना स्वीकारा है। स्मरणीय है कि फरवरी माह में कुसुम का सुभाष के साथ विवाह हुआ था। वहीं कुछ दिन पहले सुभाष की कुसुम के साथ कहासुनी हो गई थी। इस कहासुनी को लेकर पति सुभाष, उसका पिता सुखपाल व माता विधा कुसुम से रंजिश रखने लगे और तीनों ने कुसुम की गला दबा कर हत्या कर दी थी। कुसुम की हत्या के प्रकरण की सभी जानकारी लेने को पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट से एक दिन के रिमांड पर लिया है। वहीं कुसुम हत्याकांड में थाना चांदनी बाग में उत्तर प्रदेश के बरेली के खुर्द आरा गांव निवासी दीनानाथ की शिकायत पर केस दर्ज है।

अस्पताल में आग, मेडिकल स्टोर व चार वाहन जले

पानीपत। असंध रोड स्थित बोंगाविला अस्पताल में शनिवार के तडके करीब साढे चार बजे अचानक आग लग गई। आग में अस्पताल के अगले हिस्से में स्थित मेडिकल स्टोर व यहीं पर खडी एक स्कूटी व तीन बाइक भी जल गईं। जबकि मेडिकल स्टोर में रखी दवाइयां आदि भी आग में राख हो गई। इधर, अस्पताल में आग लगने के दौरान अंदर मेडिकल स्टाफ मौजूद था। आग लगने के दौरान बाहर आए मेडिकल स्टाफ ने राहगिरों की मदद से अस्पताल की खिडकियों में लगे शीशे तोड़कर अंदर फंसे अपने साथियों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं हादसा सुबह साढे चार बजे हुआ, इस दौरान अस्पताल में नाइट ड्यूटी करने वाला मेडिकल स्टाफ ही था।

यदि घटना घटना दिन में हुई होती तो जान माल का काफी नुकसान हो सकता था। इधर, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया, माना जा रहा है कि बिजली के शॉट सक्रिट के चलते आग लगी होगी। दूसरी ओर दमकल ने आग को काबू करने के बाद आग लगने के कारणों व इस घटना के कारण हुए नुकसान के आंकलन को जांच शुरू कर दी है।

छात्रों के लिए आध्यात्मिक ज्ञान भी जरूरी

पानीपत। आईबी कॉलेज में यज्ञ में आहुति डालते हुए टीचर्स व स्टूडेंट्स। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

आईबी महाविद्यालय में संस्कारशाला क्लब एवं संस्कृत विभाग द्वारा हवन का आयोजन किया गया। संस्कृत विभाग की सहायक डॉ.अंजलि ने पूरी विधि विधान के साथ हवन का शुभारम्भ मंत्रों उच्चारण के द्वारा किया। प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने बताया की कॉलेज प्रबंधन की हमेशा से ये ही कोशिश रही है कि हम हमारे विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान भी दिलवाया जाए।

इस दौरान वाणिज्य एवं प्रबंधन विभागाध्क्ष डॉ.सुनीत शर्मा यजमान रहे। संस्कारशाला क्लब के संयोजक प्रो.अश्वनी गुप्ता ने बताया की वायु प्रदूषण को कम करने के लिए भी ऋषि मुनि लोग यज्ञ किया करते थे।

इस अवसर पर प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने संस्कारशाला क्लब की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर डॉ. निधान सिंह, प्रो.पवन कुमार, डॉ.विक्रम कुमार, प्रो.अजय पाल सिंह, टिंकू, गणेश, संगीता, बीसीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने भी हवन में अपनी आहुति डाली।

महर्षि कश्यप की जयंती धूमधाम से मनाई

महर्षि कश्यप के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें युवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ इसराना

हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन एवं भू विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को इसराना विधानसभा के गांव मतलौडा, दरियापुर, इसराना, उरलाना कला, भादड आदि गांवों में महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में बोलते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को महर्षि कश्यप के बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में फैली बुराईयों को मिटाने का और अधिक प्रयास करना चाहिए ताकि समाज में आपसी भाईचारे तथा मानवता की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने भी हमारे सभी ऋषि-मुनियों और संत महात्माओं की जयंती प्रदेश व जिला स्तर पर सरकारी तौर पर मनाने का निर्णय लिया है। कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संतो से प्रेरणा लेकर कुछ न कुछ समाज के लिए अच्छा करना प्रत्येक समझदार व्यक्ति का कर्त्तव्य है। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संत को उन्नायक के रूप में सबसे अधिक महत्त्व दिया। संतों का मार्गदर्शन शासनतंत्र को भी जनहितैषी तथा लोककल्याणकारी कार्यों में हमेशा तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। भारत संत महात्माओं और ऋषि-मुनियों की जन्म व कर्मस्थली है। पंवार ने कहा कि यदि विश्व में अमन की स्थापना करनी है तो हमें संतों के बताए मार्ग पर चलते हुए भेदभाव से ऊपर उठकर सभी वर्गों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा देने के और अधिक अवसर उपलब्ध करवाने होंगे।

पानीपत। महर्षि कश्यप जयंती पर पंचायत विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार को स्मृति चिंह भेंट करते हुए राजेंद्र भादड आदि।

पूर्व विधायक रविंद्र मछरौली को पितृशोक

समालखा। समालखा के पूर्व विधायक रविंद्र मछरौली के पिता रिटायर्ड सूबेदार चौधरी हरि राम रूहल का शनिवार को लंबी बिमारी के बाद निधन हो गया। रूहल के निधन की सूचना मिलते ही समालखा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। इधर, पूर्व विधायक भरत सिंह छौंककर, समाजसेवी जगपाल जौरासी, राजेश पंवार, सुभाष गाहल्याण, जयपाल जौरासी, नगर पालिका के पूर्व वाइस चेयरमैन सुनील शर्मा समेत बडी संख्या में राजनीतिक दल के नेताओं व समाजसेवियों आदि ने सूबेदार हरि राम रूहल को भावभीनी श्रद्धांजिल देते हुए भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और पूर्व विधायक रविंद्र व उनके परिजनों का ढांढस बांधा। इधर, सूबेदार हरिराम रूहल का गमगीन माहौल में उनके पैतृक गांव मछरौली में अंतिम संस्कार कर किया गया।

शराब के ठेकों की ई-टेंडरिंग 27 को

पानीपत। हरियाणा के आबकारी एवं कराधान विभाग ने वर्ष 2025-27 के लिए आबकारी नीति में संशोधन जारी किए हैं, जो अब तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) विजेंद्र सिंह ने बताया कि पानीपत के लिए 26 मई को सुबह नौ बजे ई-निविदाएं शुरू हो जाएंगी और ये ई-निविदाएं 27 मई शाम चार बजे बंद हो जाएंगी। इन ई-बोलियों का मूल्यांकन शाम पांच बजे किया जाएगा।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बराड़ा। चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी बंटी को गिरफ्तार किया है। उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पीड़ित महिला ने 5 मई 2025 को थाना बराड़ा में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने परिवार सहित कुरूक्षेत्र बेटी का पेपर दिलवाने गई थी। उसके बाद घर वापिस आए तो देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। किसी आरोपी ने उसके घर से एसी, एलईडी, इनवर्टर व सोना चांदी जेवरात चोरी कर लिए हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरी के मामले में महिला गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला मकान की केयरटेकर थी। उसके पास मकान की चाबी रहती थी। आरोपी महिला ने ही चोरों को सहमति से चाबी दी। चोरी करने के बाद चोरीशुदा सामान को तीन भागों में बराबर बांटा गया था। महिला से सोने के जेवरात बरामद किए गए हैं। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है।परिवादी योगेश ने 23 अप्रैल 2025 को दर्ज करवाई थी कि चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़कर अलमारी से सोना-चांदी जेवरात, चांदी के सिक्के, चांदी की मूर्ति व अन्य सामान चोरी कर लिया है। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था।

लड़ाई-झगड़ा में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पंजोखरा में दर्ज लड़ाई झगड़ा कर चोट पहुंचाने के मामले में पुलिस ने आरोपी संदीप कुमार उर्फ गोल्डी को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। मंडौर के राजीव कुमार ने 9 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह और उसका दोस्त घर से सामान लेने के लिए मोटरसाइकिल पर गए थे। जब वह मंडौर बस स्टैंड के पास पहुंचे तो आरोपी संदीप व अन्य ने उसकी मोटरसाइकिल के आगे गाड़ी लगाकर लोहे की रॉड तथा बिंडो से हमला कर दिया। साथ ही दोनों को जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

दो युवक चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने गश्त के दौरान दो युवकों को चोरी की बाइक सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि समीर खान तथा उसका साढ़ू नूर मोहम्मद पॉवर हाउस के पास क काली रंग की बिना नंबर प्लेट वाली चोरी की बाइक पर सवार होकर सरकपुर की ओर से आ रहे हैं। इस बाइक को बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी दोनों युवकों को काबू कर लिया। जांच के दौरान बाइक चोरी की निकली। पुलिस ने बाइक को मौके पर ही जब्त कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है।

मंत्री विज ने पार्क निर्माण के लिए स्वैच्छिक कोष से 25 लाख रुपये दिए

पुरानी रेलवे कॉलोनी में बनेगा मार्डन पार्क, नागरिकों को मिलेंगी सुविधाएं

- सेंट्रल फीनिक्स क्लब में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 10 लाख रुपये भी दिए
- मार्डन पार्क पुरानी रेलवे कॉलोनी में एसडी मंदिर व वाल्मीकि मंदिर के पास खाली भूमि पर बनेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी की पुरानी रेलवे कॉलोनी में सुंदर मार्डन पार्क बनाया जाएगा। इससे यहां के नागरिकों को सुविधा मिलेगी। पार्क निर्माण के लिए मंत्री अनिल विज ने अपने स्वैच्छिक कोष से 25 लाख रुपये रेलवे को जारी कर दिए हैं। पार्क के बनने से रेलवे कॉलोनी के अलावा आसपास कॉलोनियों के लोगों को फायदा होगा। मार्डन पार्क पुरानी रेलवे कॉलोनी में एसडी मंदिर व वाल्मीकि मंदिर के पास खाली भूमि पर बनेगा।

अंबाला। मॉडर्न पार्क का लेआउट। फोटो : हरिभूमि

यहां लोगों को सैर करने, बैठने के साथ-साथ अन्य सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे कॉलोनी में कोई पार्क नहीं थी जिस वजह से यहां पार्क निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। इस पार्क का रेलवे कॉलोनी के साथ-साथ पीएनटी कॉलोनी, दुधला मंडी, शिवाला मंडी व सैन्य क्षेत्र के निवासियों को भी लाभ होगा। पार्क जल्द बनाने को लेकर विज ने डीआरएम को दिशा-निर्देश दिए हैं। मार्डन पार्क में कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी ताकि हर वर्ग के लोग यहां पर सुबह-शाम आ सकें।

खेल को बढ़ावा देने के लिए दिए 10 लाख

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने सेंट्रल फीनिक्स में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी अपने स्वैच्छिक कोष से दस लाख रुपए जारी किए हैं। क्लब में इस समय शूटिंग, बैडमिंटन, लॉन टेनिस व अन्य गतिविधियां चल रही है। मंत्री अनिल विज के प्रयासों से ही क्लब में शूटिंग रेंज की स्थापना की गई थी। यहां के शूटर विश्व पटल पर अंबाला छावनी का नाम रोशन कर रहे हैं। दूसरी ओर क्लब प्रबंधन ने मंत्री अनिल विज द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है। परिवहन मंत्री अनिल विज द्वारा सुभाष पार्क में ओपन एयर थियेटर में बेहतरीन साउंड सिस्टम लगाने के लिए भी पांच लाख रुपए अपने स्वैच्छिक कोष से जारी किए गए हैं। मंत्री की बदौलत पार्क का ओपन एयर थियेटर अब सांस्कृतिक गतिविधियों का गढ़ बन चुका है जहां प्रतिदिन गीत-संगीत, नाटक एवं अन्य कार्यक्रम होते हैं। यहां अच्छा साउंड सिस्टम लगाने के लिए उन्होंने पांच लाख रुपए की राशि अपने स्वैच्छिक कोष से जारी की है।

चुड़ियाला में राजकीय उच्च स्कूल के लिए प्रबंधन कमेटी अध्यक्ष बनी प्रवीण

अंबाला। राजकीय उच्च विद्यालय चुड़ियाला में शनिवार को सांझी सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान नई स्कूल प्रबंधक कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान स्कूल के मुख्याध्यापक अनिल कुमार ने ग्रामीणों को स्कूल प्रबंधन कमेटी की आवश्यकता, महत्व तथा उद्देश्यों व विद्यालय प्रबंधन कमेटी के कार्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर स्कूल में पढने वाले छात्रों के अभिवावकों में से भी स्कूल प्रबंधन कमेटी के लिए प्रवीण रानी को अध्यक्ष, गुरजीत कौर उपाध्यक्ष, रेखा रानी, सपना, रेखा रानी, धर्मराज, ममता, अनुराधा, अमीचंद, शिक्षाविद् जसमेर सिंह, पंच कमला देवी, रमनदीप गुजराल को सचिव नियुक्त किया गया। इसी तरह अन्य का सर्वसम्मति से बतौर सदस्य चयन किया गया। मौके पर स्कूल स्टाफ सदस्य हरजिंद्र सिंह, प्रिया मलिक, सीता, बलविंद्र कौर, बलकार सिंह, अनिल कुमार भी मौजूद रहे।

हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी की कमान झींडा को मिलने पर लड्डू बांटकर मनाई खुशी

मुलाना। हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी की कमान जगदीश सिंह झींडा को मिलने के बाद संगत में खुशी का माहौल है। पहली बार प्रदेश की जनता ने 25 साल के संघर्ष का सम्मान करते हुए जगदीश सिंह झींडा को प्रधान चुना। संगत ने एक दूसरे को बधाई दी। इसको लेकर शनिवार को एक मीटिंग साहा में रखी गई जिसमें 25 साल के संगत के संघर्ष को याद किया गया पुराने संघर्षी रणजीत खटड़ा ने बताया प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने प्रदेश को उसका हक दिलवाने के लिए जो संघर्ष किया उसमें हमारे इलाके की संगत ने हमेशा इस संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया। 25 सालों की मेहनत रंग लाई है। झींडा के प्रधान बनने से इलाके की संगत ने खुशी का माहौल है। इस दौरान लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। यह आयोजन मास्टर गुलाब सिंह, मनविंदर सिंह, जसविंदर सिंह तेपला, गुरविंदर सिंह जवाहरगढ़, सुखदेव सिंह, मनजीत सिंह रचेड़ी, सरबजीत सिंह, जसविंदर सिंह, राजिंदर सिंह, सुखदेव सिंह कैंट, जशनदीप सिंह, सनी, जस्सी, शैंकी साबरवाल, सिमरजीत सिंह की अगुवाई में किया गया। इस मौके पर इलाके के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

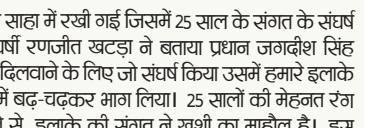

लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजूकेशन अधोया में खेलकूद प्रतियोगिता

100 मीटर दौड़ में परमिता प्रथम, सिमरन द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजूकेशन अधोया में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई जिसमें कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रबंधक राजकुमार सांगवान तथा सचिव रमेश सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्या डॉ. रेनू सहोता ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। 100 मीटर दौड़ महिला वर्ग में परमिता ने प्रथम, सिमरन ने द्वितीय और सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में राजेंद्र सिंह अत्री पहले, नीरज दूसरे और जगबीर तीसरे स्थान पर रहे। लेमन-स्पून रेस में परमिता ने पहला, सिमरन ने दूसरा और दिकांक्षा ने तीसरा स्थान हासिल किया।

बराड़ा। प्रतियोगिता में विजेता रहे स्टूडेंटस को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री लेग रेस महिला वर्ग में सिमरन-सवेता की जोड़ी ने प्रथम, दिकांक्षा-मोनिका ने द्वितीय और परमिता-सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में गुरजिंदर और परमिता के नेतृत्व में दो टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ जिसमें गुरजिंदर की टीम विजेता रही। महिला अध्यापक वर्ग में भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें गुरदीप ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय और विभा गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नकाबपोश बदमाशों के मिठाई की दुकान पर अंधाधुंध फायरिंग से हड़कंप

- दुकान के बाहर से पुलिस को जांच के दौरान गोलियों के खोल मिले
- सीसीटीवी के जरिए बदमाशों तक पहुंचने की हो रही कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

शनिवार सुबह करीब 8 बजे गोयल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने लगभग 8 गोलियां चलाईं, इससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।दरअसल, गोयल स्वीट्स- रेस्टोरेंट के संचालक को पहले ही धमकी भरा फोन आ चुका था। इसके बाद बदमाशों ने फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार दो से तीन बदमाशों ने रेस्टोरेंट के बाहर आकर अंधाधुंध फायरिंग की। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मौके से गोलियों के खोखे बरामद किए हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। गोलीकांड के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है। पुलिस ने मौके से गोली के खोल बरामद करने के बाद सीसीटीवी देखने शुरू कर दिए हैं। यहां पिछले तीन माह में गोली चलने का यह छठां मामला है। पुलिस ने इससे पहले सब्जी मंडी के पास गोली चलाने वाले चार आरोपियों को पकड़ा था। उसके बाद अब फिर यह गोलीकांड हो गया।

संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम

सेना के वीरों के सम्मान में ली शपथ, निकाली गई पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय सैन्य शौर्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय सेना के साहस, बलिदान और देशभक्ति को समर्पित था, जिसमें विशेष रूप से उन अभियानों को याद किया गया जो पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ किए गए। कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों ने भारत माता और सेना के वीरों के सम्मान में शपथ ली और उत्साह के साथ नारे लगाते हुए पदयात्रा निकाली। उनका जोश और गर्व देखने लायक था। दूसरे दिन चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने कर्नल सोफिया कुरैशी, कमांडर व्योमिका सिंह और ऑपरेशन सिंदूर जैसे सैन्य अभियानों को अपनी कला के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। बच्चों की रचनात्मकता और देशभक्ति की भावना ने सभी का मन मोह लिया।

भाजपा नेताओं को माफ नहीं करेंगी पहलगाम में सुहाग खोने वाली विधवाएं

अंबाला। पहलगाम आतंकी हमले पर भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने विवादित बयान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व को षा ध्य क्ष ए ड वो के ट रोहित जैन ने कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद का ये बयान बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान पर सवाल उठाना और महिलाओं की वीरता पर टिप्पणी करना इनकी आदत में शुमार है। इस असंवेदनशील मामले में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा दिया बयान न सिर्फ शहीदों का अपमान है बल्कि भाजपा की सोच को भी उजागर करता है।

एडवोकेट रोहित जैन

ज्वाइनिंग के लिए पीड़ित को दे दिया फर्जी लेटर

सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

अंबाला। थाना पंजोखरा में दर्ज सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने अंबाला छावनी की डिफेंस कॉलोनी के रहने वाले आरोपी राज सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे अब दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। कुरुक्षेत्र के गांव बारना के राम दयाल ने 2 मार्च 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसका लड़का राहुल नौकरी के सिलसिले में उसके दोस्त राकेश के साथ इंटरव्यू देने के लिए साथ जाता था। जो आर्मी में भर्ती होने के लिए अंबाला छावनी में भी आए थे। यहां पर उनकी मुलाकात सागर मलिक व अन्य लोगों से हुई जिन्होंने कहा कि उनके पिता तुम्हें सरकारी नौकरी लगवा देंगे। बहकावे में आकर आरोपियों से डिफैंस कॉलोनी में मुलाकात की। एक मोटी रकम पीजीआई में कंप्यूटर ऑप्रेटर लगवाने के नाम पर 21 अप्रैल 2021 को उन्हें दे दी। आरोपी ने 27 अप्रैल 2021 को उन्हें एक फर्जी ज्वाइनिंग लेटर दिए। कहा कि 7 मई 2021 को को वह चंडीगढ़ में जाकर नौकरी ज्वाइन कर लो। 7 मई 2021 को जब वह चंडीगढ़ पीजीआई पहुंचे तो पता चला कि ज्वाइनिंग लेटर फर्जी है। आरोपी सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर ज्वाइनिंग लेटर थमा कर मोटी रकम हड़प लेते थे।

छात्रों ने किया नाटक मंचन

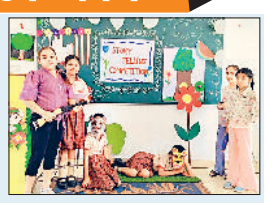

बराड़ा। डीएवी स्कूल में बहुभाषिक अभिव्यक्ति और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कक्षा 5 से 7 तक के विद्यार्थियों द्वारा स्टोरी टेलिंग प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में नैतिकता पर आधारित कहानियों और नाटकों का प्रभावशाली मंचन किया। इस प्रस्तुति में एकता में बल, परिश्रम का महत्व, समय का सदुपयोग, बुजुर्गों की सेवा, देशप्रेम और मिट्टी का मोल जैसे विषयों को केंद्र में रखते हुए बच्चों ने संवाद अदायगी, अभिनय, और भाव-प्रवणता की उत्कृष्ट मिसाल पेश की। कार्यक्रम ने बच्चों की भावनात्मक, तार्किक, विश्लेषणात्मक और अभिनय प्रतिभा को निखारने में अहम भूमिका निभाई। अंग्रेजी विभाग की शिक्षिकाओं शीतल कालरा, रूबी खेतरपाल, एकता जैन और आशु रानी ने विद्यार्थियों को मंचन के लिए बेहतरीन मार्गदर्शन प्रदान किया जो बच्चों की प्रस्तुतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

शिविर में करवाई योग क्रियाएं

बराड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय योग प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से पीटीआई, डीपीई व अन्य योग अध्यापकगणों के लिए आयोजित किया गया, ताकि वे बच्चों और समाज में योग के प्रति जागरूकता फैला सकें। इस शिविर का संचालन पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी योगाचार्य प्रेम मनोचा द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों व प्राणायामों का अभ्यास करवाया तथा उनसे होने वाले स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजू बाला ने प्रदेश सरकार, आयुष विभाग, आयुर्वेदिक चिकित्सा विभाग तथा पतंजलि योग समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर हम सभी स्वस्थ और सशक्त समाज की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

Estd. 2000
VISHV SAMTA HIGH SCHOOL
Permanent Recognised
Gandhi Nagar, Near Railway Fatak, Yamunanagar
100% RESULT IN SECONDARY EXAM (SESSION 2024-25)
Taniya 94.6%
Anjali 93.2%
Minakshi 93.2%
Palak 93.2%
Khusbhoo 93%
Saloni 92.6%
Manpreet 92%
Karamvir 92%
Bavita 91.8%
Nandni 91%
Sukanya 90.6%
Harsh 90%
Sanjana 89%
Siya 89%
Pankaj 88%
Shrishti 88%
Anshika 87%
Naina 87%
Khushi 86%
Nikhil 86%
Riya 85%
Shruti 85%
Amrita 84%
Pritam 84%
Bhawna 84%
Saloni 83%
Rohit 83%
Sagar 83%
Archana 82%
Ankit 82%
Rajan 82%
Shubham 82%
Aastha 81%
Anshu 81%
Nishant 81%
Vanshika 81%
Niraj 81%
Vaishnavi 81%
Vassu 81%
Sneha 80%
Congratulations
Manager Ravi Karan Singh
Admission Open For Session 2025-26
Principal Poonam Tanwar M.A. B.Ed

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

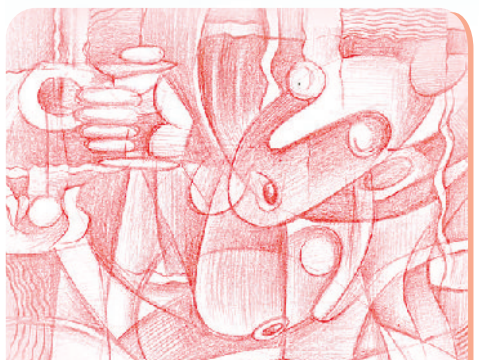

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

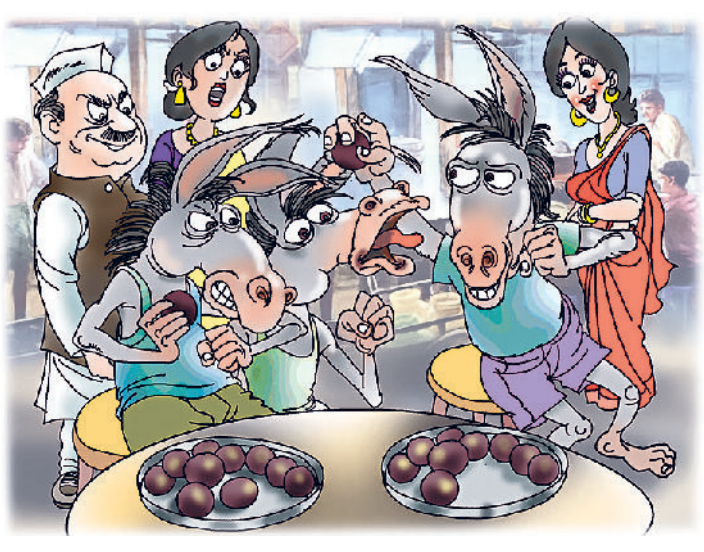

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *